(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और हिंदी भाषा के प्रसार के लिये क्या नये कदम उठाए गए हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह) : (क) जी, नहीं । मन्त्रालय द्वारा आधुनिक कार्यालयी उपकरणों की खरीद कार्यात्मक आवश्यकताओं से जुड़ी हुई है । देवनागरी में कार्यालय सहायक मशीनों और उपकरणों के प्रयोग को बढ़ाना सरकारी कामकाज में हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग के साथ-साथ चलेगा । मंत्रालय हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के लिये निरन्तर प्रयास करता है और इस सम्बन्ध में हुई प्रगति पर हिन्दी सलाहकार समिति तथा राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों की समीक्षा की जाती है । मंत्रालय में हिंदी के सघ तर प्रयोग में सलाह देने के लिए हिंदी सलाहकार समिति की उप समिति भी बनायी गयी है ।

(ख) और (ग) विदेश मंत्रालय के "क" और "ख" क्षेत्र में स्थित अधिकांश पासपोर्ट कार्यालयों में देवनागरी टाइपराइट तो हैं लेकिन ये 50:50 के अनुपात में नहीं हैं और इनका इस्तेमाल किया जाता है । शेष कार्यालयों के लिए कम से कम एक देवनागरी टाइपराइटर खरीदने के लिये कदम उठाये गये हैं । हिन्दी में काम को सुविधाजनक बनाने के लिये पासपोर्ट कार्यालय के लिये हिन्दी जानने वाले अतिरिक्त कर्मचारियों की मंजूरी दी गई है । मंत्रालय के मुख्यालय से हिंदी अधिकारियों द्वारा पासपोर्ट कार्यालयों के आवधिक निरीक्षण को और विस्तृत बनाया गया है ।

Indo-Sri Lanka Society

355. SHRI SUBAS MOHANTY: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether an Indo-Sri Lankan Society has been set up in India;

(b) if so, what are the details of its objectives;

(c) whether any meeting has been held by the Indo-Sri Lankan Society;

(d) if so, when and with what objectives;

(e) whether such a Society has been set up in Sri Lanka also; and

(f) if so, what are the details thereof and benefits to be derived by both countries from such Societies?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) and (b) Government are aware that a non-governmental Indo-Sri Lanka Society has been set up in Delhi to promote traditional ties of close friendship and co-operation between India and Sri Lanka;

(c) and (d) Government are informed that this society organised a seminar on the Indo-Sri Lanka Agreement of the 29th July, 1987, and on its progress since that date. The seminar was held on the 30th October, 1987.

(e) and (f) There exists a Sri Lanka-India Society in Colombo which has been in existence for the last twenty years to promote friendship and understanding as well as cultural and people-to-people exchanges between India and Sri Lanka. A number of prominent Sri Lankan citizens are office-bearers of this Society.

Criticism by Mauritian P. M. of Indian Diplomats

356. SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:

SHRI KAILASH PATI MISHRA:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether while addressing an annual dinner at Port Louis in December last,